

अभ्यास प्रश्न-पत्र 2023

सेट -अ

कक्षा- 12 वीं

विषय- हिन्दी

समय-3:00 घंटा

पूर्णक- 80

निर्देश:-

1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
 2. प्रश्न क्र. 01 से 05 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, जिनके लिए $1 \times 32 = 32$ अंक आंवटित हैं।
 3. प्रश्न क्र. 6 से 15 तक प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है। शब्द सीमा 30 शब्द है।
 4. प्रश्न क्र. 16 से 19 तक प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है। शब्द सीमा 75 शब्द है।
 5. प्रश्न क्र. 20 से 23 तक प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है। शब्द सीमा 120 शब्द है।
 6. प्रश्न क्र. 6 से 23 तक सभी प्रश्नों के आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।

1. सही विकल्प का चयन कर लिखिए-

$$(1 \times 6 = 6)$$

2. रिक्त स्थान में सही शब्द का चयन कर लिखिए-

$$(1 \times 7 = 7)$$

- i. तुमनेको सहूलियत से बरतना कभी नहीं सीखा । (भाषा/व्यवहार/बोली)

ii. शृंगार काल का अन्य नामहै । (रीतिकाल /स्वर्णकाल/उत्तरकाल)

iii. काव्य में बिम्ब को.....माना जाता है। (शब्द चित्र / बिम्ब चित्र/मर्म चित्र)

iv. बाजार में एक है। (खेल/जादू/आनंद)

v. जब एक ही शब्द की पुनरावृति होती है तो उसे ----- शब्द युग्म कहते हैं।
(पुनरुक्त शब्द युग्म / अनुकरणात्मक शब्द युग्म/विपरीतार्थक शब्द युग्म)

vi. आप लोगों की देखा-देखी सेक्षण की घड़ी भीहो गई है।(सुस्त/गतिशील/व्यस्त)

vii. संपादकीय को.....की आवाज माना जाता है। (आम जनता/ अखबार/दैनियाँ)

3. सही जोड़ी बनाकर लिखिए -

(1x6=6)

स्तम्भ (अ)	स्तम्भ (ब)
i. 'कविता के बहाने'	(क) ३
ii. महाकाव्य	(ख) महादेवी वर्मा
iii. 'भक्तिन'	(ग) बैकग्राउंडर
iv. अर्थ के आधार पर वाक्य के प्रकार	(घ) 'कामायनी'
v. 'जूझ'	(ड.) ८
vi. विशेष रिपोर्ट का प्रकार	(च) डॉ. आनंद यादव (छ) रघुवीर सहाय (ज) कुँवर नारायण

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में उत्तर लिखिए-

(1x7=7)

- i. 'राम की शक्तिपूजा' कविता के रचनाकार कौन हैं?
- ii. विस्तृत कलेवर वाले काव्य को क्या कहते हैं?
- iii. एकांकी में कितने अंक होते हैं ?
- iv. बदरी-केदार के रास्ते कैसे हैं?
- v. 'गागर में सागर भरना' मुहावरे का अर्थ लिखिए।
- vi. रोजी-रोटी की तलाश में आए यशोधर पंत को किसने शरण दी?
- vii. एच. टी. एम. एल. का फुल फार्म क्या है?

5. सत्य-असत्य कथन लिखिए -

(1x6=6)

- i. बच्चे दिशाओं को ढपली की तरह नहीं बजाते हैं।
- ii. गेय मुक्तक को प्रगीत भी कहा जा सकता है।
- iii. शिरीष को अवभूत कहा गया है।
- iv. 'लोकोक्ति' को 'कहावत' भी कहते हैं।
- v. मनोहर श्याम जोशी को साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
- vi. नाटक की मूल विशेषता समय का बंधन बिलकुल न होना है।

6. नई कविता के दो कवियों के नाम एवं प्रत्येक की एक -एक रचना का नाम लिखिए।

(02 अंक)

अथवा

प्रगतिवाद की कोई दो विशेषताएँ/प्रवृत्तियाँ लिखिए।

7. शीतल वाणी में आग होने का क्या अभिप्राय है ?

(02 अंक)

अथवा

थके हुए पंथी के जलदी -जलदी चलने का कारण लिखिए।

8. कोई दो खंडकाव्य और उनके रचनाकारों के नाम लिखिए।

(02 अंक)

अथवा

ओज गुण संपन्न कविताओं की दो प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

9. संदेह अलंकार की परिभाषा लिखिए।

(02 अंक)

अथवा

लक्षण शब्द शक्ति की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

10. निबंध किसे कहते हैं? किन्हीं दो निबंधकारों एवं उनके दो-दो निबंधों के नाम लिखिए। (02 अंक)
अथवा

शुक्लयुग के गद्य की दो प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

11. लेखिका महादेवी वर्मा के अनुसार भक्तिन के जीवन का परम कर्तव्य क्या था? (02 अंक)
अथवा

'पर्चेजिंग पावर' शब्द में निहित लेखक जैनेन्द्र कुमार का आशय लिखिए।

12. संदेह वाचक वाक्य की परिभाषा और उदाहरण दीजिए। (02 अंक)

अथवा

'क्षेत्रीय शब्द' किसे कहते हैं? उदाहरण सहित लिखिए।

13. राजभाषा की दो प्रमुख विशेषताएँ लिखिए। (02 अंक)
अथवा

राष्ट्रभाषा की दो प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

14. 'मुअनजो-दड़ो की सभ्यता' को 'लो प्रोफाइल' सभ्यता कहे जाने का कारण लिखिए। (02 अंक)
अथवा

'जूझा' कहानी के लेखक के जीवन संघर्ष के उन बिंदुओं पर प्रकाश डालिए जो आपके लिए प्रेरणादायी हैं।

15. संपादकीय लेखन के बारे में लिखिए। (02 अंक)

अथवा

इंटरनेट की प्रमुख सीमाएं अथवा दोष लिखिए।

16. निम्नलिखित बिंदुओं के आधार पर तुलसीदास **अथवा** रघुवीर सहाय के साहित्य की काव्यगत विशेषताएँ लिखिए- (03 अंक)

(i) दो रचनाएँ (ii) भावपक्ष (iii) साहित्य में स्थान।

17. निम्नलिखित बिंदुओं के आधार पर महादेवी वर्मा **अथवा** जैनेन्द्र का साहित्यिक परिचय लिखिए- (03 अंक)

(i) दो रचनाएँ (ii) भाषा- शैली (iii) साहित्य में स्थान।

18. पुस्तकालय हेतु आवश्यक पुस्तकों हेतु एक विज्ञापन बनाकर लिखिए। (03 अंक)

अथवा

छात्र के कक्षा में अनुशासन भंग करने पर शिक्षक -छात्र के बीच होने वाले संवाद को लिखिए।

19. निम्नलिखित अपठित गद्यांश/काव्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए- (03 अंक)

स्वामी विवेकानन्द जी का चिंतन भारतीय जीवन-तत्वों के सारभूत तत्वों को प्रस्तुत करने वाला है। उनकी प्रासंगिकता इस समय इसलिए अधिक महत्वपूर्ण है कि वह हमारी आज की जिज्ञासाओं का समीचीन समाधान प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने शिकागो के सुप्रसिद्ध विश्व धर्म सम्मेलन में जो व्याख्यान दिए थे वह आज हमारे लिए एक ग्रंथ का काम करता है। वे सांप्रदायिकता हठधर्मिता और वीभत्स धर्माधिता का विरोध करते हैं। उन्होंने एक ऐसे सुखद भविष्य के प्रति अपनी आशावादिता को प्रकट किया है जिसमें मनुष्य की पारस्परिक कटुताओं से मुक्त होकर यह संसार एक समुन्नत मानवीय चेतना से परिपूर्ण होगा। उनके विचारों की स्पष्टता और उनकी वाणी के ओज ने उन्हें संपूर्ण विश्व के युवाओं का चहेता बना दिया। हर युवा उन्हें पढ़ना उन्हें जानना चाहता है। उनका मानना था आलस्य की हमारे जीवन में कोई जगह ही नहीं होनी चाहिए। अहंकार और ईर्ष्या को सदा के लिए नष्ट कर दो। काम, काम और सिर्फ काम ही एकमात्र मूलमंत्र होना चाहिए।

प्रश्न -

- उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।
- विवेकानंद जी का विरोध किसके प्रति था ?लिखिए।
- गद्यांश में प्रयुक्त शब्द 'समीचीन' का समानार्थी लिखिए।

अथवा

गगन-गगन तेरा यश फहरा
 पवन-पवन तेरा बल गहरा
 क्षिति-जल-नभ पर डाल हिंडोला
 चरण-चरण संचरण सुनहरा
 ओ ऋषियों के वेश
 प्यारे भारत देश।

प्रश्न -

- उपर्युक्त काव्यांश का शीर्षक लिखिए।
- आप अपने देश को प्यार क्यों करते हैं?
- उक्त काव्यांश का मूल भाव लिखिए।

20. निम्नलिखित पद्यांश का भावार्थ संदर्भ-प्रसंग तथा सौन्दर्य बोध सहित लिखिए-

(04 अंक)

अद्टालिका नहीं है रे
 आतंक-भवन
 सदा पंक पर ही होता
 जल-विलव-प्लावन,
 क्षुद्र प्रफुल्ल जलज से
 सदा छलकता नीर,
 रोग शोक में भी हँसता है
 शैशव का सुकुमार शरीर।

अथवा

छोटा मेरा खेत चौकोना
 कागज का एक पन्ना,
 कोई अंधड कहीं से आया
 क्षण का बीज वहाँ बोया गया।
 कल्पना के रसायनों को पी
 बीज गल गया निःशेष;
 शब्द के अंकुर फूटे,
 पल्लव-पुष्पों से नमित हुआ विशेष।

21. निम्नलिखित गद्यांश की व्याख्या संदर्भ- प्रसंग एवं विशेष सहित लिखिए - (04 अंक)

भक्तिन और मेरे बीच में सेवक-स्वामी का संबंध है, यह कहना कठिन है, क्योंकि ऐसा कोई स्वामी नहीं हो सकता, जो इच्छा होने पर भी सेवक को अपनी सेवा से हटा न सके और ऐसा कोई सेवक भी नहीं सुना गया, जो स्वामी के चले जाने का आदेश पाकर अवज्ञा से हँस दे। भक्तिन को नौकर कहना उतना ही असंगत है, जितना अपने घर में बारी-बारी से आने-जाने वाले अंधेरे-उजाले और आँगन में फूलने वाले गुलाब और आम को सेवक मानना। वे जिस प्रकार एक अस्तित्व रखते हैं, जिसे सार्थकता देने के लिए ही हमें सुख-दुःख देते हैं, उसी प्रकार भक्तिन का स्वतंत्र व्यक्तित्व अपने विकास के परिचय के लिए ही मेरे जीवन को धेरे हुए है।

अथवा

यहाँ मुझे जात होता है कि बाजार को सार्थकता भी वही मनुष्य देता है जो जानता है कि वह क्या चाहता है। और जो नहीं जानते कि वे क्या चाहते हैं, अपनी 'पर्चेजिंग पावर' के गर्व में अपने पैसे से केवल एक विनाशक शक्ति-शैतानी शक्ति, व्यंग्य की शक्ति ही बाजार को देते हैं। न तो वे बाजार से लाभ उठा सकते हैं, न उस बाजार को सच्चा लाभ दे सकते हैं। वे लोग बाजार का बाजारूपन बढ़ाते हैं। जिसका मतलब है कि कपट बढ़ाते हैं। कपट की बढ़ती का अर्थ परस्पर में सन्दाव की घटी।

22 नगर पालिका अध्यक्ष को जल की अनियमित आपूर्ति के संबंध में शिकायती पत्र लिखिए। (04 अंक)

अथवा

अपने मित्र को विद्यालय की वार्षिक पत्रिका में रचना के प्रकाशन की बधाई देते हुए पत्र लिखिए।

23. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर रूपरेखा सहित निबंध लिखिए- (04 अंक)

- I. पुस्तकालय का महत्व
- II. स्वावलंबन
- III. साहित्य और समाज
- IV. मेरी यादगार रेल यात्रा
- V. विज्ञान की ओर भारतीय कदम

<https://www.mpboardonline.com>

Whatsapp @ 9300930012

Send your old paper & get 10/-

अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,

Paytm or Google Pay से